भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1640
10 फरवरी, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: कपास उत्पादन मिशन

1640. श्री अमर शरदराव कालेः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कीटनाशकों के प्रयोग में बार-बार वृद्धि और प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण कपास के उत्पादन में गिरावट आ रही है और क्या मंत्रालय का इस मुद्दे के समाधान के लिए उपयुक्त नीतिगत उपाय करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का बीज उद्योग के लिए अनुसंधान आधारित प्रोत्साहन योजना सहित उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो प्रस्तावित पंचवर्षीय कपास उत्पादन मिशन के अंतर्गत कौन-कौन सी विशिष्ट योजनाएं कार्यान्वित की जानी हैं;

(घ) क्या महाराष्ट्र राज्य में कपास उत्पादकता से संबंधित परीक्षणों के लिए कम कपास उत्पादकता वाले जिलों का चयन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कपास की उच्च उत्पादकता वाले जिलों की राज्य-वार सूची क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान कपास का उत्पादन क्षेत्र, कुल उत्पादन और उपज निम्नानुसार है-

वर्ष	2020-21			2021-22			2022-23			2023-24			2024-25		
राज्य	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज
सकल योग	**132.85**	**352.48**	**451**	**123.71**	**311.17**	**428**	**129.27**	**336.60**	**443**	**126.88**	**325.22**	**436**	**114.84**	**297.24**	**440**

कीटनाशी के उपयोग में लगातार बढ़ोत्तरी के कारण कपास उत्पादन में गिरावट से संबंधित कोई विशिष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। तथापि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अनुसार कपास उत्पादन में गिरावट के कुछ कारण निम्नानुसार हैं -

i.कीटनाशक के कारण पिंक बॉलवर्म (पीबीडब्ल्यू) की प्रतिरोधक क्षमता पर प्रभाव और कपास उगाने वाले प्रमुख राज्यों में पिंक बॉलवर्म का व्यापक रूप से पनपना।

ii.उत्तरी क्षेत्र (पंजाब, हरियाणा और राजस्थान) में व्हाइटफ्लाई का प्रकोप और कॉटन लीफ कर्ल वायरस की घटनाएं और मध्य व दक्षिणी क्षेत्र में बॉल-रोट और टोबैको स्ट्रीक वायरस (टीएसवी) की घटनाएं।

फसल हानि को कम करने के लिए कुछ नीतियां शुरू की गई हैं जैसे पिंक बॉलवर्म में बीटी प्रतिरोध को कम करने के लिए रिफ्यूज-इन-बैग (आरआईबी), लघु से मध्यम अवधि के बीटी हाइब्रिड की खेती, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान कार्यक्रम के तहत नए बीटी हाइब्रिड का अनिवार्य मूल्यांकन।

कपास के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग वर्ष 2014-15 से महाराष्ट्र सहित 15 कपास उत्पादक प्रमुख राज्यों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) (पूर्ववर्ती एनएफएसएम) के तहत कपास विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन कर रहा है।

कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान एनएफएसएनएम के तहत आईसीएआर-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर), नागपुर की 'कपास उत्पादकता बढ़ाने के लिए एग्रो-ईकोलॉजिकल जोन्स के लिए प्रौद्योगिकियों को लक्षित करना एवं सर्वोत्तम पद्धतियों का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन' शीर्षक से कपास पर एक विशेष परियोजना महाराष्ट्र और महाराष्ट्र सहित आठ अन्य कपास उत्पादक प्रमुख राज्यों में कार्यान्वित की गई है।

इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कपास में कीटनाशकों के प्रयोग को कम करने के लिए निगरानी करने और समय पर सलाह प्रदान करने के लिए कीटनाशी प्रतिरोध निगरानी (आईआरएम) पिंक बॉलवर्म प्रबंधन कार्यनीतियों का प्रसार नामक एक परियोजना का भी कार्यान्वयन कर रहा है।

(ख): वर्तमान में, ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ग): माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा वर्ष 2025 के बजट भाषण में कपास उत्पादकता मिशन की घोषणा की गई है। कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) मिशन को कार्यान्वित करने के लिए नोडल विभाग है, जिसमें कपड़ा मंत्रालय एक भागीदार के रूप में है। इस पंचवर्षीय मिशन की परिकल्पना कपास की खेती की उत्पादकता और स्थिरता में महत्वपूर्ण सुधार की सुविधा प्रदान करने और अतिरिक्त लंबे रेशे के कपास किस्मों को बढ़ावा देने के लिए की गई है। मिशन का लक्ष्य है -

i. अनुसंधान, विस्तार और मानव संसाधन विकास सहित कार्यनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से कपास की मांग, उत्पादन और अपेक्षित आवश्यकता के बीच के अंतर को कम करके कपास उत्पादकता बढ़ाना।

ii. भारत के प्रीमियम कॉटन ग्रेड कस्तूरी से मेल खाने वाली किस्मों को विकसित करके ईएलएस और कस्तूरी कॉटन को बढ़ाना, जिसमें क्रमशः 33 से 35 मिलीमीटर फाइबर की लंबाई और मजबूती होती है।

iii. उन्नत उच्च उपज देने वाली किस्मों/हाइब्रिडों को लक्षित विस्तार/उन्नत सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियां। उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस), कम दूरी पर रोपण, मल्चिंग सह ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकियां जो विभिन्न कपास उगाने वाले क्षेत्रों में उपयुक्त हों।

(घ) और (ङ) कपास उत्पादकता से संबंधित परीक्षणों के लिए महाराष्ट्र राज्य में कम कपास उत्पादकता वाले जिलों के चयन के संबंध में सूचना उपलब्ध नहीं है, तथापि, कपास उत्पादन के अधीन, कुल उत्पादन और उपज का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

अनुबंध-I

विगत **5 कपास मौसमों के दौरान कपास का क्षेत्र, उत्पादन और उपज:**

(क्षेत्र लाख हेक्टेयर में, उत्पादन लाख गांठ में और उपज, किलोग्राम/हेक्टेयर लिंट में)

वर्ष	2020-21			2021-22			2022-23			2023-24			2024-25		
राज्य	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज	क्षेत्र	उत्पादन	उपज
पंजाब	2.52	10.23	690	2.51	6.46	438	2.49	4.44	303	2.14	6.29	500	1.60	4.14	440
हरियाणा	7.40	18.23	419	6.36	13.16	352	5.75	10.01	296	5.78	15.09	444	3.98	11.77	503
राजस्थान	8.07	32.07	676	7.56	24.81	558	8.15	27.74	579	10.04	26.22	444	6.27	17.86	484
गुजरात	22.70	72.18	541	22.84	75.09	559	24.84	87.95	602	26.83	90.57	574	23.72	71.57	513
महाराष्ट्र	45.44	101.05	378	44.10	82.49	318	41.82	83.16	338	42.34	80.45	323	41.23	73.73	304
मध्य प्रदेश	5.88	13.38	387	5.60	14.20	431	5.95	14.33	409	6.30	18.01	486	5.37	15.35	486
तेलंगाना	23.58	57.97	418	18.89	48.78	439	19.73	57.45	495	18.18	50.80	475	18.12	57.89	543
आंध्र प्रदेश	6.06	16.00	449	5.54	17.08	524	7.04	15.41	372	4.22	7.37	297	4.04	11.31	476
कर्नाटक	8.20	23.20	481	6.74	19.55	493	9.49	25.68	460	7.43	20.59	471	6.78	22.73	570
तमिलनाडु	1.12	2.43	369	1.48	3.02	347	1.73	3.19	313	1.30	2.52	330	1.02	2.11	352
ओडिशा	1.71	5.51	548	1.93	6.26	551	2.16	7.05	555	2.16	7.05	555	2.39	8.23	585
अन्य	0.17	0.23	230	0.16	0.27	287	0.12	0.19	269	0.16	0.26	276	0.32	0.55	292

****